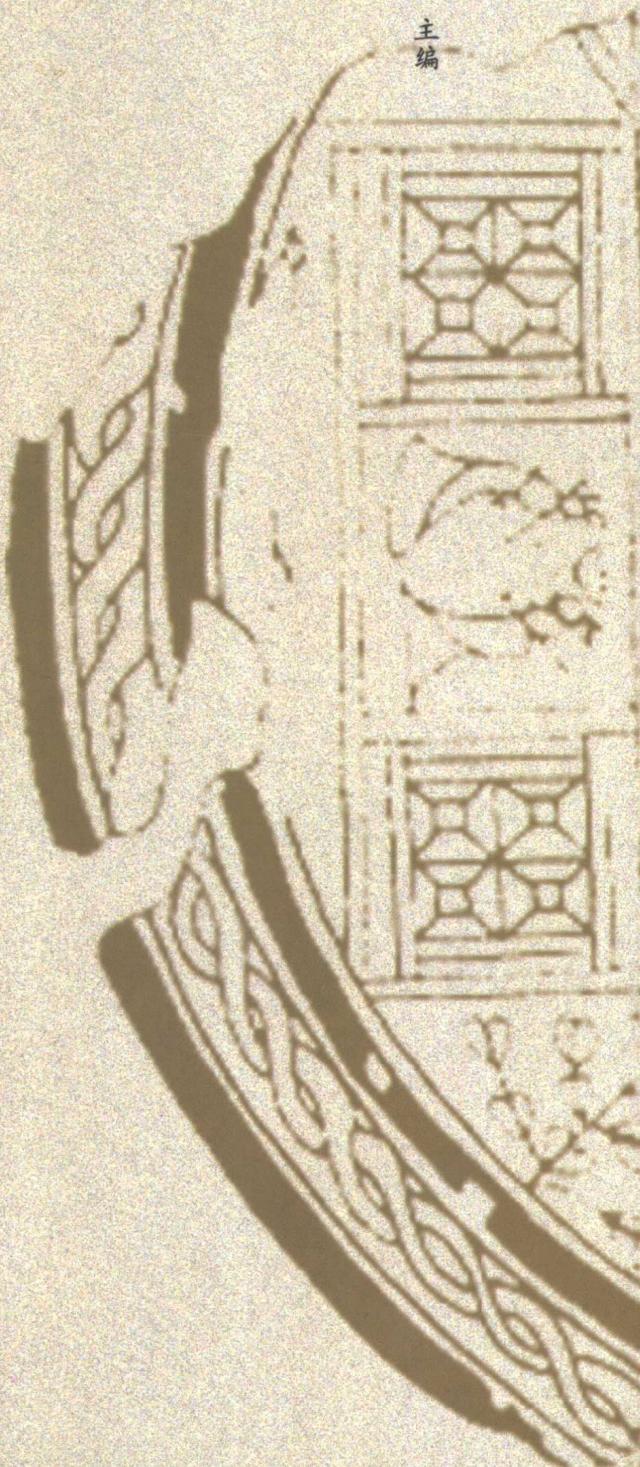


实用胎穴学

郭长青 / 朱江 主编



R224.2
GCO

126513

实用
腧穴学

主编 郭长青 朱江
副主编 马惠芳 胡波 林磊
审阅 张吉 谷世詒 陆寿康
编委 马文珠 马惠芳 王海量 王小兰 王小英
付国宾 沙岩 张莉 赵吉平 林磊
岑山 郝晋东 孟宏 郭京伟 杨德强
王晓兰 王燕平 王朝阳 马良宵 马辉
付平 由松 刘峰 刘清国 朱江
朱玲 邬继红 孙阿娟 任秀君 时宇静
李晓泓 李晓芳 李慧琴 李瑞 李玉环
李文迅 李辉 辛随成 张军 张洪林
陆寿康 林彩霞 赵百孝 赵吉平 郭长青
袁英 胡波 费宇彤 倪骏峰 程凯
秦立新 贾宝辉 黄建军 解桔萍 梁军
谢元化 瞿明河 薛卫国 瞿景慧 张若若
张佛明 段冬梅 宋一星 张博 金智秀
高军 刘飞 曹军
顾问 李学武 耿恩广 唐玉秀 陈占露 图娅

人民卫生出版社

图书在版编目(CIP)数据

实用腧穴学/郭长青等主编. —北京：
人民卫生出版社, 2004. 8
ISBN 7-117-06299-1

I. 实… II. 郭… III. 艾灸(五腧)
IV. R224. 2

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2004)第 070786 号

实用腧穴学

主 编：郭长青 朱 江

出版发行：人民卫生出版社(中继线 67616688)

地 址：(100078)北京市丰台区方庄芳群园 3 区 3 号楼

网 址：<http://www.pmph.com>

E-mail：pmph@pmph.com

印 刷：北京智力达印刷有限公司(万通)

经 销：新华书店

开 本：787×1092 1/16 印张：22.25

字 数：502 千字

版 次：2004 年 8 月第 1 版 2004 年 8 月第 1 版第 1 次印刷

标准书号：ISBN 7-117-06299-1/R · 6300

定 价：34.00 元

**著作权所有,请勿擅自用本书制作各类出版物,违者必究
(凡属质量问题请与本社发行部联系退换)**



内 容 简 介

本书是在古今典籍基础上,结合作者二十多年的临床经验及研究资料编写而成。共十五章,第一章腧穴的定位,第二章至第十五章为十四经脉经穴,主要介绍每条经脉不同腧穴的特异性、标准定位、取法、解剖、刺灸法(技法和针感)、主治病证、配穴应用、临床应用(辨证、用穴、技法、经验)、现代研究、注意事项及参考文献,有较高的临床参考价值。

全书约68万字,100余幅插图,主要供从事中医及针灸临床、教学、科研的人员参考。

前言

针灸学是祖国医学的重要组成部分，在中华民族的生存过程中发挥着重要作用，现在又成为世界医学的一部分。从古至今，腧穴学又是针灸学的基础之基础，是针灸治疗疾病的关键。所以欲学欲用此术，必须掌握腧穴。

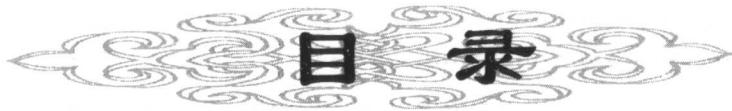
目前，腧穴学书籍虽多，但涉及临床应用和图文并茂的却很少。本书特点之一是图文并茂；特点之二是将腧穴临床应用散在的资料予以精选，分门别类介绍；特点之三是将针灸治疗疾病取得疗效的三个因素（辨证、用穴、技法）有机结合，以指导临床治病。

本书共十五章，第一章腧穴的定位，第二章至第十五章十四经脉经穴，主要介绍每一个腧穴的特异性、标准定位、取法、解剖、刺灸法（技法和针感）、主治病证、配穴应用、临床应用（辨证、用穴、技法、经验）、现代研究、注意事项、参考文献。

本书资料丰富，内容全面且具科学性，是一部有较高价值的腧穴学临床参考书。

由于作者水平有限，本书难免有疏漏不当之处，敬请各位批评指正。

编著者



目 录

| | |
|---------------------------|----|
| 第一章 腧穴的定位 | 1 |
| 第一节 骨度分寸法..... | 1 |
| 第二节 体表标志法..... | 3 |
| 第三节 手指比量法..... | 4 |
| 第四节 简易取穴法..... | 5 |
| | |
| 第二章 手太阴肺经经穴 | 6 |
| 中府..... | 6 |
| 云门..... | 7 |
| 天府..... | 8 |
| 侠白..... | 8 |
| 尺泽..... | 9 |
| 孔最 | 11 |
| 列缺 | 12 |
| 经渠 | 15 |
| 太渊 | 15 |
| 鱼际 | 16 |
| 少商 | 18 |
| | |
| 第三章 手阳明大肠经经穴 | 23 |
| 商阳 | 23 |
| 二间 | 24 |
| 三间 | 25 |
| 合谷 | 26 |
| 阳溪 | 32 |
| 偏历 | 32 |
| 温溜 | 33 |
| 下廉 | 34 |
| 上廉 | 34 |
| 手三里 | 34 |

| | |
|--------------------|-----------|
| 曲池 | 35 |
| 肘髎 | 38 |
| 手五里 | 39 |
| 臂臑 | 39 |
| 肩髃 | 40 |
| 巨骨 | 41 |
| 天鼎 | 42 |
| 扶突 | 43 |
| 口禾髎 | 44 |
| 迎香 | 45 |
| 第四章 足阳明胃经经穴 | 49 |
| 承泣 | 49 |
| 四白 | 50 |
| 巨髎 | 50 |
| 地仓 | 51 |
| 大迎 | 51 |
| 颊车 | 52 |
| 下关 | 52 |
| 头维 | 54 |
| 人迎 | 54 |
| 水突 | 56 |
| 气舍 | 57 |
| 缺盆 | 58 |
| 气户 | 58 |
| 库房 | 59 |
| 屋翳 | 59 |
| 膺窗 | 60 |
| 乳中 | 61 |
| 乳根 | 61 |
| 不容 | 61 |
| 承满 | 62 |
| 梁门 | 62 |
| 关门 | 63 |
| 太乙 | 63 |
| 滑肉门 | 63 |
| 天枢 | 63 |
| 外陵 | 65 |
| 大巨 | 66 |

目 录

| | |
|--------------------|-----------|
| 水道 | 66 |
| 归来 | 67 |
| 气冲 | 68 |
| 髀关 | 68 |
| 伏兔 | 69 |
| 阴市 | 70 |
| 梁丘 | 70 |
| 犊鼻 | 71 |
| 足三里 | 72 |
| 上巨虚 | 79 |
| 条口 | 80 |
| 下巨虚 | 81 |
| 丰隆 | 82 |
| 解溪 | 83 |
| 冲阳 | 83 |
| 陷谷 | 84 |
| 内庭 | 85 |
| 厉兑 | 85 |
| | |
| 第五章 足太阴脾经经穴 | 89 |
| 隐白 | 89 |
| 大都 | 91 |
| 太白 | 91 |
| 公孙 | 92 |
| 商丘 | 92 |
| 三阴交 | 93 |
| 漏谷 | 97 |
| 地机 | 97 |
| 阴陵泉 | 98 |
| 血海 | 99 |
| 箕门 | 101 |
| 冲门 | 102 |
| 府舍 | 102 |
| 腹结 | 103 |
| 大横 | 103 |
| 腹哀 | 104 |
| 食窦 | 104 |
| 天溪 | 105 |
| 胸乡 | 105 |

| | |
|---------------------|------------|
| 周荣 | 106 |
| 大包 | 106 |
| 第六章 手少阴心经经穴 | 109 |
| 极泉 | 109 |
| 青灵 | 110 |
| 少海 | 110 |
| 灵道 | 111 |
| 通里 | 112 |
| 阴郄 | 113 |
| 神门 | 114 |
| 少府 | 115 |
| 少冲 | 116 |
| 第七章 手太阳小肠经经穴 | 118 |
| 少泽 | 118 |
| 前谷 | 119 |
| 后溪 | 119 |
| 腕骨 | 121 |
| 阳谷 | 121 |
| 养老 | 122 |
| 支正 | 123 |
| 小海 | 124 |
| 肩贞 | 124 |
| 臑俞 | 125 |
| 天宗 | 125 |
| 秉风 | 126 |
| 曲垣 | 127 |
| 肩外俞 | 127 |
| 肩中俞 | 127 |
| 天窗 | 128 |
| 天容 | 129 |
| 颠髎 | 130 |
| 听宫 | 131 |
| 第八章 足太阳膀胱经经穴 | 134 |
| 睛明 | 134 |
| 攒竹 | 136 |
| 眉冲 | 137 |

| | |
|-----|-----|
| 曲差 | 137 |
| 五处 | 138 |
| 承光 | 138 |
| 通天 | 138 |
| 络却 | 139 |
| 玉枕 | 139 |
| 天柱 | 140 |
| 大杼 | 141 |
| 风门 | 142 |
| 肺俞 | 143 |
| 厥阴俞 | 145 |
| 心俞 | 145 |
| 督俞 | 147 |
| 膈俞 | 147 |
| 肝俞 | 148 |
| 胆俞 | 150 |
| 脾俞 | 151 |
| 胃俞 | 152 |
| 三焦俞 | 153 |
| 肾俞 | 153 |
| 气海俞 | 155 |
| 大肠俞 | 156 |
| 关元俞 | 157 |
| 小肠俞 | 157 |
| 膀胱俞 | 158 |
| 中膂俞 | 158 |
| 白环俞 | 159 |
| 上髎 | 159 |
| 次髎 | 160 |
| 中髎 | 161 |
| 下髎 | 161 |
| 会阳 | 162 |
| 承扶 | 162 |
| 殷门 | 163 |
| 浮郄 | 164 |
| 委阳 | 164 |
| 委中 | 164 |
| 附分 | 166 |
| 魄户 | 166 |

| | |
|--------------------|-----|
| 膏肓俞 | 166 |
| 神堂 | 167 |
| 胰胰 | 167 |
| 膈关 | 167 |
| 魂门 | 168 |
| 阳纲 | 168 |
| 意舍 | 168 |
| 胃仓 | 168 |
| 肓门 | 169 |
| 志室 | 169 |
| 胞肓 | 170 |
| 秩边 | 170 |
| 合阳 | 171 |
| 承筋 | 172 |
| 承山 | 172 |
| 飞扬 | 174 |
| 跗阳 | 174 |
| 昆仑 | 175 |
| 仆参 | 176 |
| 申脉 | 176 |
| 金门 | 177 |
| 京骨 | 177 |
| 束骨 | 178 |
| 足通谷 | 178 |
| 至阴 | 179 |
| | |
| 第九章 足少阴肾经经穴 | 185 |
| 涌泉 | 185 |
| 然谷 | 188 |
| 太溪 | 189 |
| 大钟 | 191 |
| 水泉 | 191 |
| 照海 | 191 |
| 复溜 | 193 |
| 交信 | 194 |
| 筑宾 | 194 |
| 阴谷 | 195 |
| 横骨 | 195 |
| 大赫 | 196 |

| | |
|-----|-----|
| 气穴 | 197 |
| 四满 | 197 |
| 中注 | 197 |
| 肓俞 | 198 |
| 商曲 | 198 |
| 石关 | 199 |
| 阴都 | 199 |
| 腹通谷 | 199 |
| 幽门 | 200 |
| 步廊 | 200 |
| 神封 | 200 |
| 灵墟 | 201 |
| 神藏 | 201 |
| 或中 | 201 |
| 俞府 | 202 |

第十章 手厥阴心包经经穴..... 204

| | |
|----|-----|
| 天池 | 204 |
| 天泉 | 204 |
| 曲泽 | 205 |
| 郄门 | 207 |
| 间使 | 208 |
| 内关 | 209 |
| 大陵 | 216 |
| 劳宫 | 217 |
| 中冲 | 218 |

第十一章 手少阳三焦经经穴..... 222

| | |
|-----|-----|
| 关冲 | 222 |
| 液门 | 223 |
| 中渚 | 224 |
| 阳池 | 225 |
| 外关 | 226 |
| 支沟 | 227 |
| 会宗 | 228 |
| 三阳络 | 229 |
| 四渎 | 229 |
| 天井 | 229 |
| 清冷渊 | 230 |

| | |
|---------------------|------------|
| 消泺 | 230 |
| 臑会 | 230 |
| 肩髎 | 231 |
| 天髎 | 231 |
| 天牖 | 232 |
| 翳风 | 232 |
| 瘼脉 | 234 |
| 頤息 | 235 |
| 角孙 | 235 |
| 耳门 | 236 |
| 耳和髎 | 236 |
| 丝竹空 | 236 |
| | |
| 第十二章 足少阳胆经经穴 | 239 |
| 瞳子髎 | 239 |
| 听会 | 239 |
| 上关 | 240 |
| 领厌 | 240 |
| 悬颅 | 241 |
| 悬厘 | 241 |
| 曲鬓 | 241 |
| 率谷 | 242 |
| 天冲 | 242 |
| 浮白 | 243 |
| 头窍阴 | 243 |
| 完骨 | 243 |
| 本神 | 244 |
| 阳白 | 244 |
| 头临泣 | 245 |
| 目窗 | 245 |
| 正营 | 246 |
| 承灵 | 246 |
| 脑空 | 246 |
| 风池 | 246 |
| 肩井 | 249 |
| 渊液 | 250 |
| 辄筋 | 251 |
| 日月 | 251 |
| 京门 | 252 |

| | |
|---------------------|------------|
| 带脉 | 253 |
| 五枢 | 253 |
| 维道 | 254 |
| 居髎 | 254 |
| 环跳 | 254 |
| 风市 | 257 |
| 中渎 | 257 |
| 膝阳关 | 258 |
| 阳陵泉 | 258 |
| 阳交 | 260 |
| 外丘 | 260 |
| 光明 | 260 |
| 阳辅 | 261 |
| 悬钟 | 261 |
| 丘墟 | 263 |
| 足临泣 | 263 |
| 地五会 | 264 |
| 侠溪 | 264 |
| 足窍阴 | 265 |
| | |
| 第十三章 足厥阴肝经经穴 | 267 |
| 大敦 | 267 |
| 行间 | 268 |
| 太冲 | 269 |
| 中封 | 271 |
| 蠡沟 | 272 |
| 中都 | 272 |
| 膝关 | 273 |
| 曲泉 | 273 |
| 阴包 | 274 |
| 足五里 | 274 |
| 阴廉 | 274 |
| 急脉 | 274 |
| 章门 | 275 |
| 期门 | 276 |
| | |
| 第十四章 任脉经穴 | 278 |
| 会阴 | 278 |
| 曲骨 | 279 |

| | |
|------------------|------------|
| 中极 | 280 |
| 关元 | 282 |
| 石门 | 284 |
| 气海 | 285 |
| 阴交 | 286 |
| 神阙 | 286 |
| 水分 | 288 |
| 下脘 | 289 |
| 建里 | 289 |
| 中脘 | 290 |
| 上脘 | 291 |
| 巨阙 | 292 |
| 鸠尾 | 293 |
| 中庭 | 295 |
| 膻中 | 295 |
| 玉堂 | 296 |
| 紫宫 | 297 |
| 华盖 | 297 |
| 璇玑 | 297 |
| 天突 | 297 |
| 廉泉 | 299 |
| 承浆 | 301 |
| | |
| 第十五章 髄脉经穴 | 306 |
| 长强 | 306 |
| 腰俞 | 309 |
| 腰阳关 | 309 |
| 命门 | 310 |
| 悬枢 | 311 |
| 脊中 | 311 |
| 中枢 | 312 |
| 筋缩 | 312 |
| 至阳 | 313 |
| 灵台 | 314 |
| 神道 | 315 |
| 身柱 | 316 |
| 陶道 | 317 |
| 大椎 | 317 |
| 哑门 | 321 |

| | |
|----|-----|
| 风府 | 323 |
| 脑户 | 324 |
| 强间 | 325 |
| 后顶 | 325 |
| 百会 | 326 |
| 前顶 | 329 |
| 囟会 | 330 |
| 上星 | 330 |
| 神庭 | 330 |
| 素髎 | 331 |
| 水沟 | 331 |
| 兑端 | 333 |
| 龈交 | 333 |

第一章

腧穴的定位



常用的定位法,有骨度分寸法、体表标志法、手指比量法和简易取穴法四种。

第一节 骨度分寸法

骨度分寸法,古称“骨度法”,即以骨节为主要标志测量周身各部的大小、长短,并依其比例折算成尺寸作为定穴标准的方法。此法最早见于《灵枢·骨度》。现代常用骨度分寸是根据《灵枢·骨度》记载,并在长期医疗实践中经过修改和补充而来的(表 1-1,图 1-1,图 1-2,图 1-3)。

表 1-1 常用骨度表

| 部位 | 起止点 | 折量分寸 | 度量法 | 说 明 |
|-------|-----------------|------|-----|---|
| 头 部 | 前发际至后发际 | 12 寸 | 直寸 | 如前后发际不明,从眉心至大椎穴作 18 寸,眉心至前发际 3 寸,大椎穴至后发际 3 寸 用于量头部的横寸 |
| | 前额两发角之间 | 9 寸 | 直寸 | |
| | 耳后两完骨(乳突)之间 | 9 寸 | 直寸 | |
| 胸 腹 部 | 天突至歧骨(胸剑联合) | 9 寸 | 直寸 | 胸部与胁肋取穴直寸,一般根据肋骨计算, 每肋骨折作 1.6 寸(天突穴至璇玑穴可作 1 寸, 璇玑穴到中庭穴,各穴间可作 1.6 寸计算) |
| | 歧骨至脐中 | 8 寸 | 直寸 | |
| | 脐中至横骨上廉(耻骨联合上缘) | 5 寸 | 直寸 | |
| | 两乳头之间 | 8 寸 | 直寸 | 胸腹部取穴横寸,可根据两乳头间的距离折算,女性可用锁骨中线代替。横骨长度为少腹的腹股沟毛际部横量的标志 |
| | 横骨(耻骨)长 | 8 寸 | 直寸 | |
| 背 腰 部 | 大椎以下至尾骶 | 21 椎 | 直寸 | 背腰部腧穴以脊椎棘突作为标志,作定位的依据 |
| 身 侧 部 | 腋以下至季胁 | 12 寸 | 直寸 | 季胁指第 11 肋端 髀枢指股骨大转子 |
| | 季胁以下至髀枢 | 9 寸 | 直寸 | |